RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 26 OCTOBER TO 01 NOVEMBER 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 07 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

1908 टन के रिएक्टर रिफाइनरी में इंस्टॉल, 10 घंटे लगे Page 2

इन करदाताओं के लिए बढ़ी ITR फाइल करने की लास्ट डेट Page 3

Indian Currency तेल के कुएं से लेकर मंगलयान तक... जानिए किस-किस की छपी हैं भारतीय नोटों पर तस्वीरें Page 5

editoria!

वर्चस्व का दुरुपयोग

डिजिटल तकनीक द्वारा विभिन्न सेवाएं देने के कारोबार में जिन कंपनियों का बोलबाला है, वे विभिन्न हथकंडे अपनाकर प्रतिस्पर्धा को कुंद करने का प्रयास करती रहती हैं. इससे अन्य कंपनियों को नुकसान तो होता ही है, कारोबारी गतिविधियों में अवरोध भी पैदा होता है. भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने ऐसे रवैये के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए गूगल, मेक माई ट्रिप और ओयो जैसी बड़ी कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाया है. एक सप्ताह के भीतर गूगल पर दो चरणों में 2,274 करोड़ रुपये का अर्थदंड लगाया गया है, वहीं मेक माई ट्रिप और ओयो को क्रमशः 223 और 169 करोड़ रुपये बतौर जुर्माना भरने को कहा गया है. प्रतिस्पर्धा आयोग का मुख्य काम यह सुनिश्चित करना है कि सभी कारोबारियों और कंपनियों को आपस में प्रतिस्पर्धा करने के लिए समान अवसर मिले. गूगल दुनिया की सबसे बड़ी तकनीकी कंपनी है. इसके उत्पादों के बिना इंटरनेट सेवाओं की कल्पना करना आज असंभव सा है. भारत समेत दुनियाभर में अधिकतर लोग एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम का इस्तेमाल करते हैं, जिसका स्वामित्व गूगल के पास है. इस सिस्टम के लिए विभिन्न प्रकार के एप प्ले स्टोर से ही लिये जा सकते हैं, जिसका नियंत्रण भी गूगल के पास है. गूगल प्ले स्टोर पर मुहैया कराने के लिए एप बनाने वालों को मजबूर करता है कि उन्हें गूगल प्ले के बिलिंग सिस्टम का ही इस्तेमाल करना होगा. उस एप की और उसके जरिये होने वाली हर खरीद-बिक्री गूगल प्ले के बिलिंग सिस्टम से ही की जा सकती है. एप बनाने वाले ग्राहकों को एप से बाहर किसी डिजिटल वस्तु खरीदने के लिए उत्साहित नहीं कर सकते और न ही उस एप में कोई ऐसी लिंक डाल सकते हैं, जिसके सहारे अन्य वेबसाइट पर खरीद-बिक्री हो सके. कोई एप डेवलपर अगर शर्तों को नहीं मानेगा, तो वह डिजिटल बाजार के बड़े हिस्से से बाहर चला जायेगा और उसका कारोबार घाटे का सौदा बन जायेगा. प्रतिस्पर्धा आयोग ने इस व्यवस्था को वर्चस्व का दुरुपयोग और कारोबार विरोधी रवैया माना है. गूगल की ओर से जो तर्क दिये जा रहे हैं, उन्हें निराधार पाया गया है. इसी तरह मेक माई ट्रिप और ओयो ने आपसी गठजोड़ बनाकर होटल सेवा मुहैया कराने वाली अन्य कंपनियों को अपनी दरें घटाने तथा किसी अन्य वेबसाइट पर अपेक्षाकृत सस्ती दरें नहीं दिखाने के लिए मजबूर किया है. मेक माई ट्रिप यात्रा सेवाओं से संबंधित शीर्षस्थ कंपनियों में है. उसने अन्य होटल कंपनियों के सामने ऐसी शर्तें रखी, जिनसे ओयो होटल को लाभ हुआ. अनेक देशों में बड़ी टेक कंपनियों पर ऐसी कार्रवाई हुई है. उम्मीद है कि प्रतिस्पर्द्धा आयोग की कड़ाई से डिजिटल बाजार को ठोस संदेश मिलेगा.

100 डॉलर तक फिर पहुंचेगा कच्चा तेल?

OPEC+ के इस फैसले पर रहेगी निगाहें

नई दिल्ली। एजेंसी

तेल उत्पादक देशों के एक प्रस्ताव के चलते इसके भाव में उछाल दिख रही है और यह 82 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। तेल उत्पादक देशों का संगठन ओपेक ₹ उत्पादन में हर दिन 10 लाख बैरल से अधिक कटोती पर विचार कर रहा है। यह फैसला कीमतों को अधिक गिरने से रोकने के लिए हो सकता है।

अगर उत्पादन में यह कटोती होती है तो महामारी शुरू होने के बाद से यह सबसे बड़ी कटौती होगी। हालांकि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक ओपेक देशों का कहना है कि कटौती कितनी होगी, इस पर अंतिम फैसला तब तक नहीं लिया जाएगा, जब तक बुधवार को विएना में मंत्रियों की बैठक नहीं हो जाती है। मार्च 2020 के बाद से ओपेक ₹ की पहली बार इस हफ्ते फिजिकल बैठक होगी। सिंगापुर के डीबीएस बैंक में एनर्जी एनालिस्ट सुवरो सरकार का मानना है कि जल्द ही कच्चे तेल के भाव फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच सकते हैं। सरकार के मुताबिक इस साल के आखिरी तक सप्लाई टाइट होने के चलते भाव में उछाल होगी। उत्पादन में बड़ी कटौती से अमेरिका और अन्य देश जहां इसकी खपत अधिक है, इसकी आलोचना कर सकते हैं। इसकी वजह ये है कि एनर्जी के बढ़ते भाव के चलते केंद्रीय बैंकों को ब्याज दरों में बढ़ोतरी करना पड़ा है। अपनी इकॉनमी को रिवाइव करने के लिए पिछले हफ्ते चीन ने फ्यूल के एक्सपोर्ट और क्रूड के आयात के नया कोटा जारी किया है जिसके चलते तेल को लेकर बुलिश सेंटिमेंट बढ़ा है। दुनिया भर में सबसे अधिक कच्चे तेल का आयात चीन करता है। भारत की बात करें तो यह भी अपनी जरूर का अधिकतर हिस्सा आयात करता है। ऐसे में कच्चे तेल के भाव में तेजी आती है तो इसका खर्चों पर असर दिख सकता है।

पानीपत रिफाइनरी में 2 जी इथेनॉल संयंत्र से देश को होंगे कई फायदे

पानीपत। एजेंसी

हरियाणा स्थित पानीपत रिफाइनरी के 2 जी इथेनॉल संयंत्र से देश को कई फायदे होंगे। इथेनॉल उत्पादन के लक्ष्य के साथ स्थापित यह संयंत्र एशिया की पहली रिफाइनरी है। फिलहाल पेट्रोल में 10 फीसदी हिस्सा इथेनॉल का होता है। भारत इथेनॉल का आयात करता है जिस पर बहुत ज्यादा पैसे खर्च होते हैं। भारत सरकार की वर्ष 2025 तक पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा 20 फीसदी तक बढ़ाने की योजना है। इथेनॉल के घरेलू उत्पादन से कच्चे तेल के आयात को लेकर 20 फीसदी इथेनॉल आयात करने का पैसा बचाया जा सकेगा। हालांकि इस तरह के कई इथेनॉल संयंत्र स्थापित किए जाने की जरूरत होगी। इससे आत्मनिर्भर भारत

अभियान को और ज्यादा प्रोत्साहन मिलेगा। पानीपत रिफाइनरी के हेड एम एल धारिया ने बताया कि 2 जी इथेनॉल संयंत्र की इथेनॉल की वार्षिक उत्पादन क्षमता 3 करोड़ लीटर की है। इसके लिए 2 लाख मीट्रिक टन चावल के भूसे की जरूरत होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस संयंत्र का उद्घाटन किया था।

चावल के भूसे का उपयोग

इथेनॉल का उत्पादन के लक्ष्य के साथ स्थापित यह रिफाइनरी एशिया की पहली रिफाइनरी है। 2 जी इथेनॉल संयंत्र में इथेनॉल के उत्पादन के लिए चावल के भूसे का उपयोग किया जा रहा है। आस-पास के करीब 89 हजार किसानों से यह भूसा लिया जाता है। यह वही पराली है जिसे दिल्ली और आस-पास के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण का कारण माना जाता रहा है।

प्रदूषण नियंत्रण, किसानों की बढ़ेगी आय

खेत में पड़ी इस पराली का अब इस संयंत्र में उपयोग किया जा रहा है। फिलहाल पानीपत और इसके आसपास के गांवों के किसानों से चावल का यह भूसा लिया जा रहा है। इसके चलते प्रदूषण नियंत्रित हो सकेगा वहीं किसानों की आय भी हो सकेगी। इस संयंत्र के चलते रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं। इस संयंत्र में मुख्य तौर पर बायो मास प्रिप्रेशन सेक्शन, मुख्य प्रोसेसिंग प्लांट, इंजायमेटिक हाइड्रोलिसिस, को फरमेंटेशन, डिस्टिलेशन, रेक्टिफायर कम एक्झॉस्ट कॉलम, डिगैसिफाइंग कॉलम, स्पिलिट एनालाइजर कॉलम, रेसिड्यू हैंडलिंग सेक्शन और इवेपोरटर्स शामिल हैं।

1908 टन के रिएक्टर रिफाइनरी में इंस्टॉल, 10 घंटे लगे

क्रूड ऑयल होगा फिल्टर, लागत से ज्यादा ट्रांसपोर्टेशन

बाडमेर। एजेंसी

11 माह बाद 550 किलोमीटर लंबे रोमांचक और खतरों से भरा सफर तय करने के बाद दो बड़े रिएक्टर रिफाइनरी (बाड़मेर) पहुंचे गए है। 1908 टन वजनी दो रिएक्टर को लाने के लिए 832 टायरों वाले 2 ट्रेलरों को खींचने के लिए 5 ट्रकों का इस्तेमाल किया गया। दोनों रिएक्टर को ट्रेलर से सीधे दो क्रेनों की मदद से रिफाइनरी में इस्टॉल किया गया है। इसको इस्टॉल करने में करीब 10 घंटे का समय लगा। इन रिएक्टर में क्रूड ऑयल फिलटर होने के बाद अन्य पार्ट में जाएगा। इन रिएक्टरों को रिफाइनरी की अहम् कड़ी माना जाता है।

दरअसल, मुंबई की कंपनी ने भरूच गुजरात में इन दो रिएक्टर को तैयार किया था। इसके लिए यूरोप से मेटल से बनाया गया है। भरूच से छोटे बंदरगाह से मुद्रा पोर्ट लाया गया। वहां से सड़क मार्ग से 550 किलोमीटर बाड़मेर पचपदरा रिफाइनरी पहुंचा है। 550 किलोमीटर के इस सफर नर्मदा केनाल पार करने के लिए एक अस्थाई पुल का निर्माण करवाया गया। जिसकी लागत 4 करोड़ रुपए आई थी। दूसरे पुल के लिए पास से अस्थाई सड़क भी बनाई गई। इसके अलावा बड़ी संख्या में बाइपास सड़कें भी बनाई गई। 20 अक्टूबर को रिफाइनरी पहुंच गए।

इस्टॉल करने में लगे 10 घंटे

रिफाइनरी पहुंचने के बाद शुक्रवार को ट्रेलर से सीधा नीचे उतारकर सीधे इस्टॉल किया गया। इस्टॉल करने में करीब-करीब 9-10 घंटे लगे। 3 हजार टन की दो क्रेन की मदद से इस्टॉल किया गया है। वहीं 100 से ज्यादा हेल्पर, टेक्निकल सहित अन्य लोगों की हेल्प लेनी पड़ी थी। एचआर मैनेजर आशुतोष के मुताबिक गुजरात भरूच से आए रिएक्टर को इस्टॉल करवा दिया गया है। इसके अंदर क्रूड ऑयल आएगा। यह रिएक्टर क्रूड ऑयल को रिफाइंड (फिलटर) करने के बाद अलग-अलग पार्ट में जाएगा। कई चीजों इससे बनेगी।

रिएक्टर की लागत से दो गुणा ज्यादा ट्रांसपोर्ट का खर्चा

गुजरात के मुंद्रा पोर्ट से 832 टायरों वाले ट्रेलर पर करीब 11 महीने पहले नवंबर 2021 को रवाना हुए थे। इन पर दो रिएक्टर लदे हैं। दोनों रिएक्टरों का वजन 1908 मीट्रिक टन है। एक मीट्रिक टन 1000खु के बराबर होता है।

दोनों ट्रेलरों को नर्मदा नदी पार कराने में ही 4 करोड़ रुपए खर्च करने पड़े। रिएक्टर को देखने के लिए नेशनल व मेगा हाइवे पर लोग देखने पहुंच जाते थे। सेल्फी लेने वालों की भीड़ जमा हो गई। रिएक्टर का पूरा रूट मैनेजमेंट देख रहे टेक्निकल ऑफिसर इन रिएक्टर को लाने के दौरान करीब 40 अस्थाई सड़क बनाई गई हैं। करीब 20 अस्थाई सड़कें और बाइपास तो 20 राजस्थान में बनाए गए।

ट्रेलर की रोज मेंटेनेंस, 11 माह सड़कों पर

टेक्निकल हाइड्रॉलिक मैकेनिक हेड शंकर के मुताबिक ट्रेलर की रोज मेंटनेंस में हाइड्रॉलिक, ग्रीसिंग, ऑयल वगैरा सब चैक किया जाता था। सड़क पर चलाने के लिए बेलेंस देखना पड़ता है। पूरी टीम आगे रूट देखती है और जहां पर जरूरत होती है वहां पर बाइपास व अस्थाई सड़का का निर्माण करते थे। 11 माह में टीम ने सर्दी, गर्मी और बरसात सड़क पर सफर में ही बिताए थे। रियाज मोहम्मद के मुताबिक एक साल से इन गाड़ियों में ही थे। गाड़ी पिक्चर होने पर उसे बदलना, साइड देखना और वोल्वो ट्रक गाड़ियों को ज्वाइंट करने का काम होता था। ज्वाइट करने के लिए चार-पांच आदमी लगते है। खाना गाड़ी में ही बनता है और पानी गाड़ियों से भरकर ले आते है।

तेजी से महंगा हो रहा कच्चा तेल

नई दिल्ली। एजेंसी

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के कीमत में दो से तीन फीसद उछाल के बाद भी सरकार ने डीजल और पेट्रोल का रेट नहीं बढ़ाया है। कमजोर डॉलर के बीच अमेरिकी बाजारों के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। तेल के निर्यात से अमेरिकी बाजार में वायदा कीमत में भी उछाल देखने को मिला है। तेल की कीमतों में बुधवार को लगभग 3ङ्क की वृद्धि हुई। उसके बाद सुबह 6 बजे तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल का नया रेट अपडेट कर दिया है। इसके बाद कई शहरों में तेल के दाम बदल गए हैं। कुछ सप्ताह पहले ओपेक प्लस द्वारा उत्पादन में कटौती के एलान के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगातार घट-बढ़ रही है।

रिलायंस वित्तीय इकाई को अलग करेगी, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज नाम से सूचीबद्ध कराएगी

नयी दिल्ली। एजेंसी

उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. ने शुक्रवार को कहा कि वह अपनी वित्तीय सेवा इकाई को अलग करेगी और उसे जियो फाइनेंशियल सर्विसेज नाम से शेयर बाजारों में सूचीबद्ध कराएगी। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि रिलायंस के शेयरधारकों को कंपनी के प्रत्येक शेयर के बदले जियो फाइनेंशियल सर्विसेज (जेएफएस) का एक शेयर दिया जाएगा।

ईएसआईसी योजना से अगस्त में 14.62 लाख नये अंशधारक जुड़े

नयी दिल्ली। एजेंसी

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की सामाजिक सुरक्षा योजना से अगस्त, 2022 में लगभग 14.62 लाख नये अंशधारक जुड़े। आधिकारिक आंकड़ों में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। 'भारत में पे-रोल रिपोर्टिंग- रोजगार परिदृश्य - अगस्त-2022' शीर्षक से राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईएसआईसी की योजना से वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 1.49 करोड़ अंशधारक जुड़े। यह आंकड़ा 2020-21 में 1.15 करोड़, 2019-20 में 1.51 करोड़ और 2018-19 में 1.49 करोड़ था। ईएसआईसी की योजनाओं में सितंबर, 2017 से मार्च, 2018 तक लगभग 83.35 लाख नए अंशधारक शामिल हुए थे। रिपोर्ट में कहा गया कि सितंबर, 2017 से अगस्त, 2022 तक ईएसआईसी की योजना से कुल 7.22 करोड़ अंशधारक जुड़े। एनएसओ की रिपोर्ट, ईएसआईसी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और पेंशन कोष नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में शामिल होने वाले नये सदस्यों के आंकड़ों पर आधारित हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त, 2022 में ईपीएफओ की सामाजिक सुरक्षा योजना से जुड़ने वाले अंशधारकों की संख्या 16.94 लाख थी। इसके मुताबिक, सितंबर, 2017 से अगस्त, 2022 तक लगभग 5.81 करोड़ (सकल) नये अंशधारक कर्मचारी भविष्य निधि योजना में शामिल हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि अंशधारकों की संख्या विभिन्न स्रोतों से मिलने की वजह से इनमें दोहराव की संभावना रहती है।

रिलायंस 'रोवन' ब्रांड के जरिये सस्ते खिलौनों की पेशकश करेगी

नयी दिल्ली। एजेंसी

रिलायंस रिटेल तेजी से बढ़ते खिलौना क्षेत्र में अपने ब्रांड रोवन के जरिये कारोबार का विस्तार कर रही है। इसके जरिये वह छोटी दुकानों में सस्ते खिलौने उपलब्ध करवाएगी। कंपनी रोवन के जरिये अपने खिलौना वितरण कारोबार का परिचालन करती आ रही है। अब उसने अपने इस ब्रांड का पहला विशिष्ट ब्रांड आउटलेट (ईबीओ) बीती तिमाही में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के गुरुग्राम में खोला है। इस स्टोर का आकार 1,400 वर्गफुट है। उद्योग के सूत्रों ने बताया कि इस तरह रिलायंस रिटेल में सस्ते ब्रांड के खिलौनों की बड़ी श्रृंखला उपलब्ध होगी जिसमें रोवन के अलावा कई और ब्रांड भी होंगे। उसके यहां ब्रिटेन की खिलौना ब्रांड हेमलीज के उत्पाद भी मिलते हैं। हेमलीज खिलौनों की दुनिया की सबसे पुरानी खुदरा विक्रेता है और 2019 में रिलायंस ने उसका अधिग्रहण किया था। सूत्रों ने बताया कि इस ब्रांड की पेशकश महंगी श्रेणी की ही होगी जबकि रोवन रिलायंस रिटेल को अपनी किफायती पेशकश के जरिये व्यापक और कम महंगे खिलौनों की श्रेणी में जगह बनाने में मदद देगी। इसके अलावा हेमलीज के स्टोर जहां बड़े आकार के होते हैं जबकि रोवन के स्टोर का आकार उनसे छोटा और 500-1,000 वर्गफुट के बीच होगा। रिलायंस रिटेल के रणनीति एवं कारोबार विकास प्रमुख गौरव जैन ने कहा, ''हमने रोवन की शुरुआत की है जो खिलौना स्टोर का नया और छोटे आकार का प्रारूप है और यहां सस्ते खिलौने बिकेंगे।''

सुनक का प्रधानमंत्री बनना एफटीए वार्ता को रफ्तार देने में मदद करेगा

लंदन। भारतीय मूल के ऋषि सुनक का ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनना दोनों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की वार्ता को जरूरी रफ्तार देने में मदद करेगा। इससे पहले भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए समझौते के लिए समयसीमा दीपावली तक रखी गई थी। लेकिन ब्रिटेन में राजनीतिक अस्थिरता के बीच यह समयसीमा पार हो चुकी है।

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इस साल अप्रैल में भारत की यात्रा के दौरान अक्टूबर तक इस समझौते के पूरा करने की समयसीमा तय की थी। वहीं, सुनक ने एफटीए के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने वित्तीय सेवाओं को द्विपक्षीय व्यापार संबंधों के विशेष रूप से 'रोमांचक' पहलू के रूप में चिह्नित किया है और वित्तीय प्रौद्योगिकी तथा बीमा क्षेत्र में दोनों देशों के लिए भारी अवसरों की ओर इशारा किया है। सुनक ने इससे पहले जुलाई में कहा था, ''मैं इस क्षेत्र और दुनिया में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की बढ़ती प्रभावशाली भूमिका का समर्थन करता हूं। इस दिशा में एफटीए एक बड़ा कदम साबित होगा।''

ब्रिटेन की राजधानी के वित्तीय केंद्र सिटी ऑफ लंदन कॉरपोरेशन ने उम्मीद जताई कि सुनक का वित्तीय सेवाओं पर ध्यान एफटीए को सही दिशा में ले जाएगा।

सिटी ऑफ लंदन कॉरपोरेशन के पॉलिसी चेयरमैन क्रिस हेवर्ड ने कहा, ''भारत के साथ व्यापार करार ब्रिटेन के लिए सबसे महत्वाकांक्षी और व्यावसायिक रूप से सार्थक समझौतों में से एक हो सकता है।'' विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रिटेन में राजनीतिक स्थिरता अब समझौते के लिए बातचीत को तेज करने में मदद करेगी। इससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय निर्यातकों के प्रमुख संगठन फियो के वाइस चेयरमैन खालिद खान ने कहा, ''यह भारत के लिए एक बहुत ही सकारात्मक खबर है। यह घटनाक्रम निश्चित रूप से एफटीए को लेकर बातचीत को जरूरी गति देने में मदद करेगा।'' हालांकि, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बिस्वजीत धर ने कहा कि ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री पहले घरेलू मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे और अर्थव्यवस्था को व्यवस्थित करेंगे।

उन्होंने कहा, ''संकट की स्थिति में व्यापार करार नहीं होते। ये तब होते हैं जब अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है।'' इससे पहले वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने 20 अक्टूबर को कहा था कि भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है और दोनों पक्षों के जल्द ही एक समझौते पर पहुंचने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। दीपावली यानी 24 अक्टूबर तक तक बातचीत को पूरा करने का लक्ष्य रखा था। लेकिन ब्रिटेन में राजनितिक अस्थिरता के बीच इस समयसीमा तक बातचीत पूरी नहीं हो सकी।

इन करदाताओं के लिए बढ़ी ITR फाइल करने की लास्ट डेट

नई दिल्ली। एजेंसी

वित्त मंत्रालय ने कंपनियों द्वारा आकलन वर्ष 2022-23 के लिए आयकर रिटर्न (ITR) दाखिल करने की समयसीमा बढ़ा दी है। मंत्रालय ने बुधवार को इस समय सीमा को बढ़ाकर सात नवंबर कर दिया। जिन कंपनियों को अपने खातों का ऑडिट कराना जरूरी है, उनके लिए आईटीआर दाखिल करने की आखिरी तारीख इससे पहले 31 अक्टूबर थी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) ने एक अधिसूचना में यह जानकारी दी।

ऑडिट रिपोर्ट फाइल करने की भी बढ़ी थी समयसीमा

सीबीडीटी ने कहा कि पिछले महीने ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की समयसीमा बढ़ाई गई थी, इसलिए आईटीआर दाखिल करने की समयसीमा भी बढ़ा दी गई है। सीबीडीटी ने कहा, ''आकलन वर्ष 2022-23 के लिए अधिनियम की धारा 139 की उप-धारा (1) के तहत आय का ब्योरा देने की तिथि बढ़ा दी गई है। यह पहले 31 अक्टूबर थी। इसे अब बढ़ाकर सात नवंबर, 2022 कर दिया गया है।''

31 अक्टूबर होती है समयसीमा

घरेलू कंपनियों को वित्त वर्ष 2021-2022 के लिए 31 अक्टूबर, 2022 तक अपना आयकर रिटर्न दाखिल करना आवश्यक है। उन कंपनियों के लिए आईटीआर दाखिल करने की नियत तारीख 30 नवंबर, 2022 होगी, जिनकी स्थानांतरण मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया चल रही है।

त्योहारी मौसम में कंपनियों को राहत

एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के निदेशक (कंपनी और अंतरराष्ट्रीय कर) ओम राजपुरोहित ने कहा कि समयसीमा में विस्तार त्योहारी सीजन के दौरान बहुत जरूरी राहत प्रदान करेगा। पिछले महीने सीबीडीटी ने ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की समयसीमा सात दिन बढ़ाकर सात अक्टूबर कर दी थी।

भारत में एक अरब डॉलर का ब्रांड बना 'स्प्राइट'

नयी दिल्ली। कोका-कोला का नींबू और नींबू के स्वाद वाला शीतल पेय 'स्प्राइट' भारतीय बाजार में एक अरब डॉलर का ब्रांड बन गया है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने इस साल की तीसरी तिमाही में अपने भारतीय कारोबार में मात्रा के लिहाज से 'मजबूत' वृद्धि दर्ज की है। इसकी इस शानदार वृद्धि में सॉफ्ट ड्रिंक पोर्टफोलियो और फ्रूट ड्रिंक ब्रांड माजा का योगदान रहा है।

कोका-कोला कंपनी के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेम्स क्विन्सी ने भारतीय बाजार में कंपनी के प्रदर्शन की जानकारी देते हुए कहा, ''ट्रेडमार्क कोक ने प्रभावी निष्पादन और अवसर आधारित विपणन के जरिये मजबूत वृद्धि दर्ज की है।'' उन्होंने कहा, ''हमने वापसी योग्य कांच की बोतलों और एकल-सेवा पीईटी पैकेजों के विस्तार के जरिये किफायती कीमत पर भारत में 2.5 अरब लेनदेन किए हैं।'' उन्होंने कहा कि कोका-कोला ने 2022 की पहली छमाही में वृद्धि करना जारी रखा है। क्विन्सी ने कहा, ''स्प्राइट, भारतीय बाजार में एक अरब डॉलर का ब्रांड बन गया है। यह सफलता स्थानीय रूप से स्वीकार्यता, अवसर-आधारित वैश्विक विपणन अभियानों से हासिल हुई है।''

चीन से आयातित रसायन पर डंपिंग रोधी शुल्क नहीं लगाएगी सरकार

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने चीन से आयातित एक प्रकार के रसायन पर डंपिंग रोधी शुल्क नहीं लगाने का फैसला किया है। इस रसायन का इस्तेमाल दवा उद्योग द्वारा किया जाता है। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिशों को स्वीकार नहीं किया है।

वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने चीन द्वारा रसायन ''(4आर-सीआईएस)-1-1-डाइमिथाइलथाइल-6-साइनोमिथाइल-2, 2-डाइमिथाइल-1, 3-डाइऑक्सेन-4-एसिटेट'' की कथित डंपिंग के बारे में जांच की थी और इसपर शुल्क लगाने की अगस्त में सिफारिश की थी। राजस्व विभाग ने एक कार्यालय ज्ञापन में कहा, ''केंद्र सरकार ने डीजीटीआर के अंतिम निष्कर्षों पर विचार करने के बाद सिफारिशों को स्वीकार नहीं करने का फैसला किया है।'' शुल्क लगाने की सिफारिश डीजीटीआर करता है जबकि इसे लगाने के बारे में अंतिम निर्णय राजस्व विभाग लेता है।

देश का पहला वर्टिकल लिफ्ट सी ब्रिज पूरा होने के करीब, जानिए इसमें क्या है खास

पंबन ब्रिज (Pamban Bridge) देश में हाइटेक इंजीनियरिंग का एक नमूना है। यह मंडपम शहर को पंबन द्वीप और रामेश्वरम से जोड़ता है। पुराने पंबन पुल के पैरालल नए पुल को तैयार किया जा रहा है। इस पुल में 18.3 मीटर के 100 स्पैन और 63 मीटर के नेविगेशनल स्पैन होंगे। यह मौजूदा पुल से तीन मीटर ऊंचा होगा ताकि जहाज आसानी से गुजर सकें। पुराना पंबन पुल 24 फरवरी, 1914 को शुरू किया गया था। लेकिन अब इसकी स्थिति ठीक नहीं है और इस पर 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ही ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

नए पुल की अनुमानित लागत 560 करोड़ रुपये है। जहाजों के क्रॉस-नेविगेशन के लिए इसमें वर्टिकल लिफ्ट स्पैन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। पुल में 75 मीटर लंबी सेंट्रल स्पैन होगा जिससे जहाज पुल के नीचे से आसानी से गुजर सकेंगे। इस पुल में प्रत्येक में 25 मीटर के 100 स्पैन होंगे। बंगाल की खाड़ी में बार-बार तूफान आते हैं। इसे देखते हुए ब्रिज के स्तंभों में स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल किया जा रहा है।

1964 में आए समुद्री तूफान में पुराना पंबन ब्रिज क्षतिग्रस्त हो गया था। इसका कुछ हिस्सा समुद्र में बह गया था। तब ई श्रीधरन ने इसे दोबारा ठीक करके मजबूती दी थी। आज भी ट्रेन इसी पुल के जरिए रामेश्वरम पहुंचती हैं। इस ब्रिज से रोज 12 जोड़ी ट्रेनें गुजरती हैं। लेकिन कमजोर हो जाने के कारण अब इस ब्रिज से ट्रेनें महज 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ही चल पाती हैं। समुद्र के खारे के कारण अब इसमें जंग लगने लगा है। नए ब्रिज से ट्रेनें 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकेंगी।

यह देश का पहला वर्टिकल लिफ्ट ब्रिज है। इसमें बीच का 72.5 मीटर का हिस्सा (स्पैन) अपने दोनों तरफ लगी लिफ्ट के माध्यम से ऊपर की ओर इतना उठ जाएगा। इससे उसके

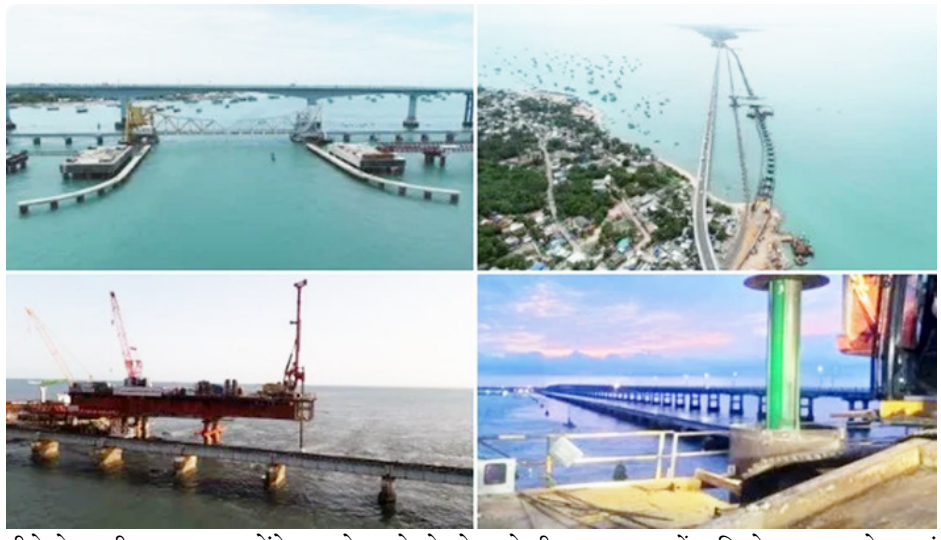

नीचे से समुद्री जहाज गुजर सकेंगे। यह ब्रिज 2.05 किमी लंबा होगा। यह ब्रिज मंडपम रेलवे स्टेशन और रामेश्वरम रेलवे स्टेशन के बीच समुद्र के ऊपर बनाया जा रहा है। उसमें ऐसी टेक्नोलॉजी लगी है जिससे इसमें यदि तेज रफ्तार से हवाएं चलेंगी तो ऑटोमेटिक तरीके से अलर्ट सिग्नल जारी हो जाएगा

News यू केन USE

भारत 28 साल में पहली बार आईसीएओ की हवाई परिवहन समिति की अध्यक्षता करेगा

नयी दिल्ली। भारत के प्रतिनिधि 28 साल में पहली बार अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) में हवाई परिवहन समिति की अध्यक्षता करेंगे। भारत वर्ष 1944 से सदस्य के रूप में आईसीएओ परिषद में है। 'इंडिया एट आईसीएओ' के ट्वीट के अनुसार, भारत 28 वर्षों के बाद हवाई परिवहन समिति की अध्यक्षता करने जा रहा है। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा, ''बढ़िया खबर। यह वैश्विक विमानन पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की स्थिति और सबसे बड़ा नागर विमानन बाजार बनने की दिशा में हमारी यात्रा को मजबूत करता है।'' केंद्रीय मंत्री ने आईसीएओ में भारत की प्रतिनिधि शेफाली जुनेजा को भी बधाई दी।

डीजीसीए में सृजित होंगे सुरक्षा से जुड़े पद

मुंबई। एजेंसी

नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि सुरक्षित विमान परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के स्तर पर पदों की संख्या में खासी बढ़ोतरी की जाएगी। सिंधिया ने राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी के लिखे एक पत्र का जवाब देते हुए कहा है कि विमानन गतिविधियों को सुरक्षित रखने के लिए डीजीसीए में पदों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में डीजीसीए ने अब तक 202 निगरानी निरीक्षण किए हैं। चतुर्वेदी ने सिंधिया को एक पत्र लिखकर विमानयात्रियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया था। उन्होंने 12 अक्टूबर को स्पाइसजेट एयरलाइन की गोवा-हैदराबाद उड़ान वाले विमान के केबिन में धुआं निकलने का जिक्र किया था। सिंधिया ने राज्यसभा सदस्य को भेजे अपने जवाब में कहा है कि शुरुआती जांच में विमान के इंजन ऑयल को लेकर कुछ समस्या पाई गई है। डीजीसीए ने इस मामले की पड़ताल के बाद एयरलाइन को फौरन ही अपने नतीजों से अवगत करा दिया।

रिलायंस जियो ने नाथद्वारा में 5जी वाई-फाई सेवा की शुरुआत की

जयपुर। एजेंसी

देश की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड ने शनिवार को राजस्थान के नाथद्वारा में 5जी नेटवर्क पर आधारित वाई-फाई सेवाओं की शुरुआत की। कंपनी के चेयरमैन आकाश अंबानी ने नाथद्वारा में 5जी वाली वाई-फाई सेवाओं की शुरुआत की। इसके पहले उन् होंने अपनी पत्नी श्लोका के साथ श्रीनाथजी मंदिर में दर्शन-पूजन किया।

कंपनी के बयान के अनुसार, 'जियो ट्रू 5जी' नेटवर्क पर चलने वाली वाई-फाई सेवाओं की शुरुआत नाथद्वारा से हो गई है। यह सेवा शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थानों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड और वाणिज्यिक गतिविधियों के केंद्रों में दी जाएगी। जियो उपयोकताओं को यह वाई-फाई सेवा 'जियो वेलकम ऑफर' अवधि के दौरान मुफ्त में मिलेगी। दूसरा नेटवर्क इस्तेमाल करने वाले भी जियो 5जी वाई-फाई का सीमित इस्तेमाल कर सकेंगे। इस बयान के मुताबिक, चेन्नई में जियो की ट्रू 5जी सेवा भी शुरू हो गई है। हाल ही में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और वाराणसी में भी 5जी सेवा शुरू की गई थी। जल्द ही दूसरे शहरों में भी जियो 5जी सेवा शुरू करने के लिए रिलायंस जियो पूरी कोशिश में लगी हुई है। इस अवसर पर अंबानी ने कहा, 'भगवान श्रीनाथ जी की कृपा से नाथद्वारा में जियो ट्रू 5जी की सेवा के साथ 5जी वाली वाई-फाई सेवा की शुरुआत हो रही है। हमारी कोशिश है कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और वाराणसी की तरह देश के कोने-कोने तक जियो की ट्रू 5जी सेवा जल्द चालू हो। श्रीनाथ जी के आशीर्वाद से नाथद्वारा और चेन्नई भी आज से जियो ट्रू 5जी सिटी बन गए हैं।' हालांकि जियो ने अपनी 5जी सेवा की वाणिज्यिक शुरुआत की अभी घोषणा नहीं की है।

देश का काजू निर्यात सितंबर में 38 प्रतिशत घटकर 2.271 करोड़ डॉलर पर

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गहराती प्रतिस्पर्धा की वजह से लगातार 11 महीने से घट रहा देश का काजू निर्यात सितंबर 2022 में 38 प्रतिशत घटकर 2.271 करोड़ डॉलर रह गया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक काजू के निर्यात में पिछले वर्ष नवंबर से गिरावट आ रही है। अप्रैल में निर्यात में 34 प्रतिशत, मई में 30 प्रतिशत, जून में 6 प्रतिशत, जुलाई में 26.62 फीसद की गिरावट आई और अगस्त में काजू का निर्यात 31.5 प्रतिशत घट गया।

कर्नाटक के काजू विनिर्माता संगठन के उपाध्यक्ष तुकाराम प्रभु ने कहा कि 'विशेष कृषि एवं ग्राम उद्योग योजना' के तहत मिलने वाले निर्यात प्रोत्साहन के बंद होने का भी असर पड़ा है। प्रभु ने कहा, ''निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अभी कोई प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है हालांकि वैश्विक बाजार में अच्छी मांग है, हमारे यहां का काजू वियतनाम के काजू से कहीं अधिक अच्छा है।'' केरल के काजू निर्यातकों का कहना है कि घरेलू दाम निर्यात के दामों के मुकाबले 15 फीसदी अधिक हैं इसलिए कारोबारी यहां बिक्री करना चाहते हैं। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण(एपीडा) के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से अगस्त की अवधि के दौरान निर्यात 25.16 फीसद की गिरावट के साथ 11.3 करोड़ डॉलर रहा है। भारतीय निर्यातकों को वियतनाम के अलावा तंजानिया, आइवरी कोस्ट जैसे अफ्रीकी देशों से भी कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

Indian Currency

तेल के कुएं से लेकर मंगलयान तक... जानिए किस-किस की छपी हैं भारतीय नोटों पर तस्वीरें

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल केंद्र सरकार से एक खास मांग कर डाली। उन्होंने कहा कि भारतीय नोटों पर गांधीजी की फोटो के साथ ही गणेश जी और लक्ष्मी जी की तस्वीर भी छापी जाए। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास होगा। केजरीवाल की इस मांग पर केंद्र सरकार और आरबीआई कितना ध्यान देता है, यह देखने वाली बात होगी। आज आइए जानते हैं कि भारतीय करेंसी पर अब तक कौन-कौनसी फोटोज छपी हैं।

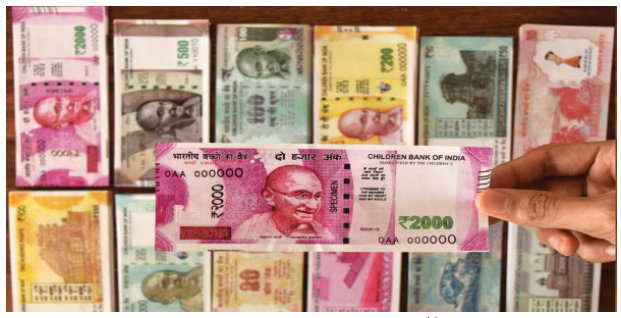

पहले जानिए कहां से आया है रुपया

रुपया शब्द संस्कृत के रुप्यकम से आया है। इसका मतलब होता है चांदी का सिक्का। रुपया शब्द का प्रयोग सबसे पहले शेरशाह सूरी ने किया था। उन्होंने 1540 से 1545 तक भारत पर राज किया था। शेरशाह सूरी ने अपने शासन काल में जो रुपया चलाया वह चांदी का सिक्का था। यह मुगल काल, मराठा साम्राज्य और ब्रिटिश काल में भी यूज में रहा। देश में सबसे पहले कागज के नोट बैंक ऑफ हिंदोस्तान (1770-1832), जनरल बैंक ऑफ बंगाल एंड बिहार (1773-75) तथा बंगाल बैंक (1784-91) ने जारी किए थे।

एक अप्रैल 1935 में देश में रिजर्व बैंक की स्थापना हुई थी। जनवरी, 1938 में रिजर्व बैंक ने पांच रुपये का पहला नोट जारी किया था। फरवरी-जनवरी, 1938 में 10 रुपये, 100 रुपये, 1,000 रुपये और 10,000 रुपये के नोट जारी किए थे। अगस्त 1940 में एक रुपये के नोट को फिर से शुरू किया गया। इसे सबसे पहले 30 नवंबर, 1917 को जारी किया गया था। इसके बाद दो आना और आठ आना जारी किए गए थे। एक रुपये के नोट को एक जनवरी, 1926 को बंद कर दिया था। मार्च, 1943 में दो रुपये का नोट शुरू किया गया था।

1957 में एक रुपये में हुए 100 पैसे

आजादी के बाद साल 1950 में एक पैसा, 1.2 पैसा, एक आना और दो आना, 1.4, 1.2 और एक रुपये मूल्य के सिक्के जारी किए गए। 1953 में नए नोटों पर हिंदी को प्रमुखता दी गई और 1954 में रुपया का बहुवचन रुपये किया गया। इसके बाद 1954 में 1,000 रुपये, 5,000 रुपये और 10,000 रुपये के बड़े नोट फिर जारी किए गए। साल 1957 में रुपये को 100 नए पैसे में बांटा गया। 1957-67 में एल्युमिनियम के एक, दो, तीन, पांच और दस पैसे के सिक्के शुरू किए गए। साल 1967 में नोट के आकार को कम किया गया। इसके 13 साल बाद 1980 में सिंबल्स के साथ नए नोट जारी किए गए। दो रुपये के नोट पर आर्यभट्ट उपग्रह, एक रुपये के नोट पर तेल का कुंआ, पांच रुपये के नोट पर मशीनी खेती, 10 रुपये के नोट पर मोर और 20 रुपये के नोट पर कोणार्क का चक्र था। बढ़ती इकॉनमी और परचेजिंग पावर में कमी के चलते अक्टूबर 1987 में 500 रुपये का नोट शुरू किया गया। 1988 में स्टेनलेस स्टील के 10 पैसे, 25 पैसे और 50 पैसे के सिक्के शुरू किए गए।

1996 में आए महात्मा गांधी सीरीज के नोट

साल 1996 में महात्मा गांधी सीरीज के 10 से 500 रुपये तक के नोट शुरू किए गए। इन नोटों ने लॉयन कैपिटल सीरीज के नोटों की जगह ली। नए नोटों में वॉटरमार्क, विंडो सिक्योरिटी थ्रेड, लेटेंट इमेज और दृष्टिहीन लोगों के लिए खास फीचर शुरू किया गया।

10 के नोट पर सूर्य मंदिर

10 के नोट पर सूर्य मंदिर की फोटो छापी गई थी। भारत के उड़ीसा राज्य के पुरी जिले में स्थित है कोणार्क सूर्य मंदिर। इस मंदिर को यूनेस्को द्वारा साल 1984 में विश्व धरोहर में शामिल किया। इस मंदिर का निर्माण भगवान श्रीकृष्ण के बेटे सांब ने कराया था, जो वक्त के साथ जर्जर हो गया था। फिर कालांतर में समय-समय इसका पुनर्रोद्धार कराया गया।

50 के नोट पर आया कर्नाटक का हंपी

50 के नोट पर हंपी के रथ की तस्वीर आपने जरूर देखी होगी। हंपी का इतिहास सम्राट अशोक के शासन काल से जुड़ा है। वर्तमान में हंपी कर्नाटक राज्य में स्थित है। अपने वैभवशाली समय में हंपी विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हुआ करता था। यूनेस्को ने हंपी का वर्ल्ड हेरिटेज साइट का दर्जा दे रखा है।

100 के नोट पर रानी की बाव

सौ के नए नोट पर रानी की बाव की तस्वीर छपी है। रानी की यह बाव गुजरात के पाटन में स्थित है। बावड़ी को गुजराती में बाव कहते हैं और इस बावड़ी का निर्माण सोलंकी वंश की रानी उदयामति ने अपने पति भीमदेव प्रथम की याद में कराया था। इसलिए इस बावड़ी को रानी की बाव नाम से जाना जाता है। इसे यूनेस्को द्वारा साल 2014 में वर्ल्ड हेरिटेज की सूची में शामिल किया है।

200 के नोट पर सांची स्तूप

200 के नोट पर सांची स्तूप की फोटो छपी है। मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन जिले में स्थित है एक छोटा-सा गांव सांची। यह रायसेन जिले की नगर पंचायत भी है। इस गांव में बौद्ध काल के कई स्मारक हैं। इन्हीं में शामिल हैं स्तूप। सांची में होने कारण ही इन्हें सांची स्तूप कहा जाता है। इन स्तूपों का निर्माण सम्राट अशोक महान ने कराया था।

500 के नोट पर लाल किला

500 के नए नोट पर दिल्ली के लाल किले की तस्वीर है। लाल किले का निर्माण पांचवें मुगल बादशाह शाहजहां ने कराया था। इस किले की दीवारें लाल पत्थर और लाल रेत से निर्मित है, इसलिए इसके लाल रंग के कारण इसे लाल किले का नाम दिया गया। साल 2007 में यूनेस्को ने इसे वर्ल्ड हेरिटेज का दर्जा दिया।

2000 के नोट पर है मंगलयान

दो हजार के नए नोट के पीछे मंगलयान की तस्वीर छपी है और आगे गांधीजी के साथ अशोक स्तंभ की। मंगलयान अभियान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की एक महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष परियोजना है। 24 सितंबर 2014 को मंगल पर पहुंचने के साथ ही भारत विश्व में अपने प्रथम प्रयास में ही सफल होने वाला पहला देश तथा सोवियत रूस, नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के बाद मंगल पर पहुंचने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है।

भारत ने चीन से खूब मंगाए सामान! सिर्फ 9 माह में व्यापार घाटा 75 बिलियन डॉलर के पार

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत और चीन के बीच व्यापार बढ़ता ही जा रहा है। चीन के सीमा शुल्क विभाग द्वारा जारी व्यापार आंकड़ों के मुताबिक 2022 के पहले नौ महीनों में व्यापार 100 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है। इस दौरान भारत का व्यापार घाटा 75 अरब डॉलर से अधिक था। इस अवधि में कुल द्विपक्षीय व्यापार 103.63 अरब डॉलर तक चला गया, जो पिछले साल इसी अवधि के मुकाबले 14.6 प्रतिशत अधिक है। आंकड़ों में कहा गया कि भारत को चीन का निर्यात 31 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 89.66 अरब डॉलर पर पहुंच गया। दूसरी ओर इन नौ महीनों में भारत का निर्यात 36.4 प्रतिशत की गिरावट के साथ 13.97 अरब डॉलर रहा। इसके चलते कुल व्यापार घाटा 75.69 अरब डॉलर से अधिक हो गया।

2021 में क्या थे हालात: पिछले साल भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार रिकॉर्ड 125 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया था। पिछले साल, भारत को चीन का निर्यात 46.2 प्रतिशत बढ़कर 97.52 अरब डॉलर हो गया था। इस दौरान चीन को भारत का निर्यात 34.2 प्रतिशत बढ़कर 28.14 अरब डॉलर रहा था। भारत का व्यापार घाटा 2021 में 69.38 अरब डॉलर था।

कचरा साफ भी करें और कम भी करें

कचरा साफ करो अभियान की देशव्यापी सफलता के बाद अब समय आ गया है कि 'कचरा कम करो' अभियान शिद्दत से चलाया जाय।

इंदौर शहर स्वच्छता के मामले में देश में छः बार नबर वन आकार एक कीर्तिमान स्थापित कर चुका है। इस शहर के नागरिकों को स्वच्छता की आदत पड़ चुकी है।

राजकुमार जैन
स्वतंत्र विचारक

लेकिन हालिया आ रही खबरें भविष्य के लिए खतरे का संकेत दे रही हैं। खबर है कि त्योहार के समय शहर में संग्रहित होने वाले कचरे की मात्रा 1500 टन प्रतिदिन से भी अधिक हो चली है।

ऐसा प्रतीत होता है कि इंदौर नगर निगम द्वारा प्रदायित और संचालित बेहतरीन और प्रभावी कचरा निपटान व्यवस्था के चलते नागरिकों के मन में कचरा पैदा करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। प्रतिदिन निश्चित कचरा निपटान होते रहने के कारण उनके मन में यह भाव आता ही नहीं कि हमारे द्वारा उत्सर्जित कचरे का क्या होगा। सब इस बात के प्रति निश्चिंत हैं कि कितना भी कचरा कर लो सब पीली गाड़ी वाले ले ही जायेंगे।

लेकिन इसी तरह हम कचरा पैदा करते रहे तो वह दिन दूर नहीं जब प्रतिदिन इकट्ठा होने वाला यह 1000 टन कचरा, 2000 टन प्रतिदिन होने लगेगा। कचरा निपटान में लगे संसाधन कम पड़ जाएंगे, व्यवस्था चरमराने लगेगी और यह शहर पुनः कचराघर बनने लगेगा।

बुजुर्गों से पूछेंगे तो वो बताएंगे कि एक जमाने में इंदौर अपनी सफाई व्यवस्था के लिए दूर दूर तक मशहूर था। भैंसा गाड़ी से कचरा एकत्र किया जाता था और सुबह सुबह भिश्ती अपनी मश्कों में पानी भरकर उनसे शहर की सड़कों को धोया करते थे। चकाचक चमकता शहर था इंदौर। लेकिन लगातार बढ़ते कचरे ने इस शानदार व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया था और पूरा शहर एक बड़ा कचरा घर बन गया था।

हमें समझना होगा कि कचरा निपटान संसाधन असीमित नहीं हो सकते। कोई भी व्यवस्था भयावह गति से बढ़ते जा रहे कचरे के विशाल राक्षस का मुकाबला करने में सक्षम नहीं हो सकती।

हमें अपनी आदतें बदलकर कचरा कम करने का संकल्प लेना ही होगा नही तो भावी पीढ़ी को हम कचरे से भरा बदबू मारता शहर सौंप कर जायेंगे।

आज यह बात अतिश्योक्ति पूर्ण लग सकती है लेकिन आज से ही सावधानी बरतना शुरू नहीं किया तो यह सच भी हो सकती है।

हमें प्रयास करना होगा कि 1000 टन तक पहुंच चुके इस दैत्याकार कचरे के निरंतर बढ़ते जा रहे वजन को घटाकर इसे काबू में रखें। शहर को निरंतर स्वच्छ रखने में अपना कचरा छंटाक भर प्रतिदिन कम कर के नन्हा सा ही सही, कुछ तो सहयोग दें तभी हम लगातार सालों साल नंबर वन रह पाएंगे।

शहर में लगभग 20 लाख लोग रहते हैं यदि प्रति व्यक्ति 50 ग्राम कचरा कम किया जाय तो प्रतिदिन 100 टन कचरा कम किया जा सकता है। हम पॉलिथीन का उपयोग पूर्णतः बंद कर दें। खाद्य पदार्थ जितना खा सकें उतना ही ऑर्डर करें। ऑनलाइन खरीददारी करते समय छोटे छोटे पैकेट ऑर्डर करने की बजाय जरूरत अनुसार बड़ा पैकेट मंगवाए। घर में खाद बनाने का प्रयास करें। रिडयूज, रिसायकल और रियूज का मंत्र अपनाकर इस कचरा दानव को नियंत्रण में रखें।

छठ संगम आस्था, पवित्रता और साधना का

विभिन्न संस्कृति वाले हमारे देश में यूं तो हर त्योहार खास होता है, लेकिन लोक आस्था, पवित्रता और साधना का जो अद्भुत संगम छठ में दिखता है वह इसे पर्व से महापर्व बना देता है। रीति-नियम में यह पर्व जितना सरल है, अनुपालन में उतना ही कठिन। भगवान भास्कर को अर्पित की जाने वाली सामग्रियों में अधिकता प्राकृतिक वस्तुओं की ही होती है जो इसे हर वर्ग और तबके के लोगों के लिए सरल बनाता है। लेकिन इस व्रत को करना उतना ही कठिन है। चार दिनों के इस त्योहार में लगभग तीन दिन तो व्रती को उपवास करना होता है और उसमें से भी दो दिन निर्जला (बिना जल के) रहना होता है। सूर्य की उपासना का यह पर्व खासतौर पर बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के कुछ क्षेत्रों में मनाया जाता है। बाहर जाकर रहने वाले लोगों के साथ यह पूरे देश और विश्व में प्रचलित व प्रसिद्ध हो गया है।

इतिहास

छठ पर्व के शुरू होने को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। मार्कंडेय पुराण में कहा गया है कि सृष्टि की अधिष्ठात्री प्रकृति देवी ने स्वयं को छह भागों में विभाजित किया। इनके छठे अंश को मातृ देवी के रूप में जाना जाता है। छठ में एवं शिशु जन्म के छठे दिन इन्हीं की पूजा होती है। माता सीता, द्रोपदी के भी छठ पूजा करने की कथाएं कही जाती हैं। राजा प्रियव्रत को भी मातृ देवी की कृपा से ही पुत्र प्राप्ति हुई थी और मान्यता है कि तभी से यह व्रत किया जाता है। सबसे लोकप्रिय कथा है कुंतीपुत्र कर्ण की। कहा जाता है कि सूर्योपासना के इस त्योहार की शुरुआत कर्ण ने ही की थी। कर्ण सूर्यपुत्र तो थे ही साथ ही सूर्यदेव के बहुत बड़े उपासक थे। वे घंटों कमर भर पानी में खड़े होकर सूर्य की पूजा करते थे, उन्हीं के आशीर्वाद से वे तेजस्वी एवं प्रतापी हुए।

उपासना के 4 दिन

1.नहाय-खाय

कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को पहला दिन 'नहाय-खाय' होता है। इस दिन सबसे पहले घर की अच्छे से सफाई की जाती है। फिर व्रती स्नान कर पवित्र तरीके से बना शुद्ध भोजन ग्रहण कर व्रत की शुरुआत करते हैं। घर के सभी सदस्य व्रत करने वाले के खाने के बाद ही खाना खाते हैं। भोजन के रूप में कद्दू, चने की दाल और चावल ग्रहण किया जाता है।

2.खरना

कार्तिक शुक्ल पंचमी को व्रती दिन भर के उपवास के बाद शाम को भोजन करते हैं। इसे 'खरना' कहते हैं। प्रसाद के रूप में गन्ने के रस या गुड़ में बनी खीर और रोटी बनाई जाती है। इसमें नमक या चीनी का उपयोग नहीं किया जाता है।

3.अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य

तीसरे दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को दिन में प्रसाद बनाया जाता है। इसमें ठेकुआ के साथ लड्डुआ (चावल के लड्डू) की विशेषता होती है। नारियल, केला, नींबू, के साथ हल्दी, अदरक जैसी दर्जनों चीजें प्रसाद के रूप में जुटाई जाती हैं। इन सबमें गन्ने का अलग ही स्थान है। शाम को पूरी तैयारी कर व्रती परिवार के साथ घाट पर पहुंचता है। वहां बांस की टोकरी अथवा सूप में अर्घ्य सजाया जाता है। व्रती कमर भर पानी में खड़ा होकर हरेक टोकरी/सूप और फल आदि भगवान रवि को अर्पित करता है। गाय के कच्चे दूध या जल से अर्घ्य दिया जाता है।

4.उदयीमान सूर्य को अर्घ्य

चौथे दिन कार्तिक शुक्ल सप्तमी की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। सूर्योदय से पहले ही व्रती के साथ सभी लोग घाटों पर इकट्ठा होते हैं और सूर्य के उदित होने की प्रतीक्षा करते हैं। पूरब में लालिमा के आगमन के साथ सूप और प्रसाद अर्पित करना शुरू हो जाता है। भगवान को फिर अर्घ्य दिया जाता है। प्रसाद खाकर व्रती उपवास तोड़ते हैं।

त्याग और कठोर तपस्या

छठ पूजा एक कठिन तपस्या की तरह है। महिलाएं ज्यादातर यह पर्व करती हैं, लेकिन कुछ पुरुष भी व्रत रखते हैं। व्रती उपवास करने के साथ ही सुखद जीवन का भी परित्याग करते हैं। व्रती पूजा घर में फर्श पर या चटाई बिछाकर ही लेटते हैं। चादर, कंबल का प्रयोग भी न्यूनतम होता है। व्रती ऐसे कपड़े पहनते हैं, जिनमें सिलाई नहीं होती है। महिलाएं साड़ी और पुरुष धोती पहनकर छठ करते हैं।

दंड प्रणाम

कठिन साधना का एक और चरण है दंड प्रणाम। दंड प्रणाम का संकल्प कर मनोकामना मांगने वाले इच्छा पूर्ण होने पर इसे करते हैं। इसमें व्रती घर से लेट-लेटकर घाटों तक पहुंचता है। वह एक बार लेटता है, हाथ बढ़ाकर आम के पल्लव से निशान लगाता है और फिर उसी निशान पर से फिर से लेटता है। मनोकामना पूर्ण होने पर महिलाएं आंचल फैलाकर भी घाटों तक जाती हैं।

कामना संतानों की रक्षा की

माना जाता है कि छठ पूजा पुत्र अथवा संतानों की रक्षा की कामना से की जाती है। व्रती परिवार की सुख-समृद्धि का वरदान भी भगवान से मांगते हैं। शुरू करने के बाद छठ पर्व को हर साल करना होता है। व्रती के वृद्ध और जीर्ण होने पर यह दायित्व परिवार की अगली पीढ़ी को सौंप दिया जाता है। यह पर्व केवल तब नहीं मनाया जाता है जब घर में किसी का निधन हो गया हो।

लोकसंगीत भी कम आकर्षक नहीं

लोक आस्था के महापर्व में लोक संगीत का भी विशेष स्थान है। पूजा के हर विधान के साथ लोकगीत गाने की परंपरा है। कांचहि बांस के बहंगिया बहंगी लचकत जाए..., केलवा जे फरेले घवद से उहे पर सुगा मंडराए..., होख न सुरुज देव सहइया बहंगी घाट पहुंचाए..., केलवा के पात पर उगेलन सुरुजदेव... जैसे गीत लोगों के अंतस में बसे हैं।

अब डाबर इंडिया बेचेगा मसाले, बादशाह मसाले पर हुआ कंपनी का मालिकाना हक

588 करोड़ में खरीदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। एजेंसी

रोजमर्रा के उपभोग वाले सामान बनाने वाली कंपनी डाबर इंडिया को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। कंपनी ने बुधवार को दूसरी तिमाही का अपना रिजल्ट जारी किया है। साथ ही कंपनी ने बादशाह मसाला में 587.52 करोड़ रुपये में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। एक संयुक्त बयान में कहा गया कि कंपनी ने बादशाह मसाला प्राइवेट लिमिटेड की 51 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए पक्के समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके साथ ही बादशाह मसाला पर अब डाबर इंडिया का मालिकाना हक हो जाएगा।

अब मसाले बेचेगा डाबर इंडिया

बयान के मुताबिक, बादशाह मसाला पिसे हुए मसालों, मिश्रित मसालों और अन्य खाद्य उत्पादों का निर्माण, विपणन और निर्यात करती है। डाबर इंडिया ने शेयर बाजार को बताया, "यह अधिग्रहण फूड सेक्टर की नई कैटेगरीज में प्रवेश करने के कंपनी के रणनीतिक इरादे के अनुरूप है।"

587 करोड़ में हुआ सौदा

डाबर इंडिया ने कहा, "51 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी के लिए 587.52 करोड़ रुपये में सौदा हुआ है।" सौदे के लिए बादशाह मसाला का मूल्यांकन 1,152 करोड़ रुपये था। डाबर ने कहा कि शेष 49 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण पांच साल के बाद किया जाएगा। कंपनी ने बयान में कहा कि इस अधिग्रहण के साथ डाबर इंडिया तीन साल में अपने खाद्य कारोबार को 500 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का इरादा रखती है।

शुद्ध लाभ घटा

डाबर इंडिया लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी जुलाई-सितंबर की तिमाही में 2.85 फीसदी घटकर 490.86 करोड़ रुपये रह गया। डाबर इंडिया ने बुधवार को शेयर बाजार को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में कंपनी ने 505.31 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। हालांकि, कंपनी की परिचालन आय 2022-23 की दूसरी तिमाही में छह फीसदी बढ़कर 2,986.49 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 2,817.58 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा डाबर इंडिया का कुल खर्च भी आलोच्य तिमाही में 8.94 फीसदी बढ़कर 2,471.28 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 2,268.47 करोड़ रुपये था।

टाटा मोटर्स ने एवेरा को 2000 एक्सप्रेस टी इलेक्ट्रिक वाहन देने का ऑर्डर हासिल किया

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

परिवहन के स्थायी साधनों को अपनाने की दिशा में तेजी लाने के लिए एक कदम आगे बढ़ाकर, भारत के प्रमुख ऑटोमोटिव ब्रैंड, टाटा मोटर्स ने आज वेरा के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। एवेरा दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सबसे पहले शुरू किया गया एकमात्र इलेक्ट्रिकल वाहन का राइड प्लेटफॉर्म है। टाटा मोटर्स इस अनुबंध के तहत एवेरा को 2000 एक्सप्रेस टी इलेक्ट्रिकल वाहनों की डिलीवरी करेगा। यह वाहन टाटा मोटर्स के मौजूदा ईवी बेड़े में एवेरा के वाहनों का अतिरिक्त संकलन हैं।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री शैलेश चंद्रा ने कहा, 'एक्सप्रेस-टी ईवी सेडान के साथ हमने बेड़े में अपना खास मुकाम बनाया है। यह देखकर काफी प्रसन्नता हो रही है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के बेड़े के प्रमुख एग्रीग्रेटर्स के साथ स्वच्छ पर्यावरण का माहौल बनाने के लिए हमारे साथ जुड़ रहे हैं। एवरा हमारे साथ लंबे समय से जुड़ी हुई है। हमें इस सहयोग को और मजबूत करने में काफी खुशी हो रही है। हमने एवेरा को 2000 ईवी प्रदान करने के लिए उनके साथ समझौता किया है। एक्स-प्रेस टी ईवी बेहतर सुरक्षा, फास्ट चार्जिंग समाधान, प्रीमियम इंटीरियर थीम के अलावा किफायती दाम पर शानदार परफॉर्मेंस देती है। हमें एवरा के साथ अपना सहयोग जारी रखने की उम्मीद है और हम अपने उपभोक्ताओं को मोबिलिटी के सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प देने के लिए साथ मिलकर काम करते रहेंगे।'

भारत में कारोबार का विस्तार करेगा वॉलमार्ट

फ्लिपकार्ट में 3 बिलियन डॉलर के निवेश की योजनाः रिपोर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी

खुदरा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वॉलमार्ट भारत में अपने बिजनेस का विस्तार करने के लिए ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट के लिए कथित तौर

पर 3 अरब डॉलर तक जुटा रही है। इस नए फंड के साथ फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन 40 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा। एक रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। फ्लिपकार्ट ग्रुप ने पिछले साल जुलाई में भारत में डिजिटल कॉमर्स इकोसिस्टम को विकसित और मजबूत करने के लिए 3.6 बिलियन डॉलर जुटाए थे। तब समूह को 37.6 बिलियन डॉलर का निवेश प्राप्त हुआ था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वॉलमार्ट फ्लिपकार्ट के लिए धन उगाहने के लिए रणनीतिक निवेशकों को ला सकता है।

क्या है इस फैसले का मकसद

इस कदम का मकसद फ्लिपकार्ट को ऑनलाइन ई-कॉमर्स बिजनेस में आगे रखना है। हालांकि फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि नहीं की। समाचार एजेंसी आईएएनएस ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इस बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा कि 'हम अटकलों पर टिप्पणी नहीं करते हैं'। उधर वॉलमार्ट ने इस बारे में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

दिवाली सेल में कंपनियों को बंपर कमाई

अग्रणी वैश्विक निवेशकों का इस तरह आगे आना भारत में डिजिटल कॉमर्स के बढ़ते व्यवसाय में उनकी रुचि को दर्शाता है। पिछले साल जुलाई में वॉलमार्ट इंटरनेशनल के अध्यक्ष और सीईओ जूडिथ मैककेना ने कहा था कि निवेशक फ्लिपकार्ट में भरोसा करते हैं। यह भारत में कारोबार बढ़ाने की उनकी मंशा को और भी मजबूत करता है। आपको बता दें कि भारत में ऑनलाइन रिटेल प्लेटफॉर्म ने 22 से 30 सितंबर के बीच दिवाली सेल में 5.7 बिलियन डॉलर (लगभग 40,000 करोड़ रुपये) की कमाई की है।

मोटे अनाजों की खपत, उत्पादन बढ़ाने में सहयोग दें आसियान के सदस्य : तोमर

नयी दिल्ली। एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष से पहले कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को आसियान के सदस्य देशों से भारत के मोटे अनाज के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और खपत में वृद्धि करने के प्रयासों का समर्थन करने का आग्रह किया। मोटा अनाज वर्ष 2023 में मनाया जाएगा। कृषि और वानिकी पर सातवीं आसियान-भारत मंत्रिस्तरीय बैठक (एआईएमएमएएफ) में तोमर ने कहा कि भारत लोगों के स्वास्थ्य और पोषण के लिए मोटे अनाज या पौष्टिक अनाज उत्पादों को बढ़ावा दे रहा है। एक सरकारी बयान में कहा गया, "तोमर ने आसियान के सदस्य देशों से मोटे अनाज के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और खपत को बढ़ाने में भारत के प्रयासों का समर्थन करने का आग्रह किया।" बैठक में सदस्य देशों ने आसियान-भारत सहयोग (वर्ष 2021-2025) की मध्यावधि कार्ययोजना के तहत विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक में आसियान-भारत संबंधों की 30वीं वर्षगांठ का भी स्वागत किया गया। अपनी उद्घाटन संबोधन में तोमर ने इस क्षेत्र में कृषि विकास के लिए सतत और समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संघ) के साथ पारस्परिक रूप से घनिष्ठ क्षेत्रीय सहयोग पर भी जोर दिया। बैठक में कृषि और वानिकी में आसियान-भारत सहयोग की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। बयान में कहा गया, "बैठक में कहा गया कि आसियान और भारत के लिए सुरक्षित और पौष्टिक कृषि उत्पादों की निर्बाध आवाजाही को सुनिश्चित करके कोविड-19 महामारी के अभूतपूर्व प्रभाव को कम करने के लिए सुधारात्मक उपायों के कार्यान्वयन को आसियान-भारत सहयोग के तहत निरंतर उपाय करना आवश्यक है।" बैठक की सह-अध्यक्षता करने वाले तोमर ने खाद्य सुरक्षा, पोषण, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, डिजिटल खेती, प्रकृति के अनुकूल कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य श्रृंखला, कृषि विपणन और क्षमता निर्माण में आसियान के साथ भारत के सहयोग को बढ़ाने के लिए भी प्रतिबद्धता जताई। बैठक में ब्रुनेई दारुस्सलाम, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यामां, फिलिपीन, सिंगापुर, थाइलैंड और वियतनाम के कृषि मंत्रियों ने भाग लिया।

बोईंग ने भारतीय साझेदारों के साथ एमआरओ स्थानीकरण को तेज किया

गांधीनगर। आईपीटी नेटवर्क

बोईंग ने पिछले साल भारतीय रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉलिंग एमआरओ परितंत्र में अपने साझेदारियों के महत्वपूर्ण विस्तार की घोषणा की है। इस दिशा में यह सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में विविध स्वदेशी सहयोगियों के साथ अनेक कार्य अनुबंध और वितरण डिलीवरीज को अंतिम रूप दे चुका है। इन सहयोगियों में एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड, होराइजन एयरोस्पेस, और एयर वर्क्स ग्रुप सम्मिलित हैं। भारतीय ग्राहकों को त्वरित और कुशल सहयोग के लिए रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल एमआरओ का स्थानीयकरण इस कंपनी के लिए सबसे महत्वपूर्ण रहा है।

वर्ष 2021 में बोईंग ने बोईंग इंडिया रिपेयर डेवलपमेंट ऐंड सस्टेनमेंट बड्र्स प्रोग्राम आरम्भ किया था। इस कदम का उद्देश्य भारत को एक क्षेत्रीय एमआरओ केंद्र के रूप में विकसित होने में मदद करना, भारत के लिए यहीं भारत में ही रक्षा और वाणिज्यिक विमानों के अभियंत्रण, रखरखाव, स्किलिंग, मरम्मत और सस्टेनमेंट सेवाओं का सामर्थ्य प्रदान करना था। इस पहल के तहत बोईंग ने निम्नलिखित रणनैतिक सहयोग किया है :

एयर वर्क्स के साथ, हाल में भारतीय नौसेना के लिए छः पी-81 सामुद्रिक गश्ती विमान का फेज 32 भारी रखरखाव जाँच पूरी करने के लिए; एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड एआईईएसएल के साथ, भारतीय वायु सेना द्वारा संचालित बोईंग 777 वीआइपी विमान और भारतीय नौसेना द्वारा संचालित पी-81 विमान बड़े के एमआरओ के लिए। इसके अलावा, कंपनी पी-81 बड़े में लगे लैंडिंग गियर और अन्य वाणिज्यिक सामान्य 737एनजी उपकरण की मरम्मत और ओवरहॉल में सहयोग की संभावना तलाश रही है; और होराइजन एयरोस्पेस के साथ, भारत में तीन प्रमुख बोईंग रक्षा प्लैटफॉर्म्स - भारतीय नौसेना आईएन द्वारा संचालित पी-81, और भारतीय वायु सेना आएएफ द्वारा संचालित वीआइपी 737 परिवहन बेड़ा - के एमआरओ के लिए।

बोईंग इंडिया के प्रेसिडेंट,सलिल गुप्ते ने कहा कि, 'भारत में 7 दशकों से अधिक समय से काम करते हुए बोईंग यह जानती है कि व्यवसाय के लिए एक सुदृढ़ स्थानीय एयरोस्पेस और डिफेंस इकोसिस्टम उतना ही अनिवार्य है जितना कि यह इसके ग्राहकों की सफलता और अभियान-तत्परता के लिए है। हम विगत वर्षों में स्वदेशी एमआरओ क्षमताओं के निर्माण नें लगातार निवेश करते रहे हैं और वर्ष 2021 में आरम्भ किए गए बड्र्स हब के साथ हम भारतीय आपूर्तिकर्ताओं का एक नेटवर्क खड़ा कर रहे हैं जो व्यापक और प्रस्पर्धी रूप से रक्षा और वाणिज्यिक विमानों की इंजीनियरिंग, मेंटेनेंस, स्किलिंग, रिपेयर और सस्टेनमेंट सेवाओं में सहयोग कर सकता है।बड्र्स हब का एक महत्वपूर्ण पहलू है प्रशिक्षण प्रोग्राम्म, जिनसे भारत में उच्च गुणवत्ता की एमआरओ क्षमताओं के निर्माण के लिए सब-टियर सप्लायर्स और मँझोले, लघु एवं सूक्ष्म उपक्रमों एमएसएमई के विकास में मदद मिल रही है।'

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस की 'थैंक्स ए डॉट'- स्तन कैंसर जागरूकता पहल

धार में आशा वर्कर्स और सुपरवाइजर्स को स्तन कैंसर जागरूकता वर्कशॉप का आयोजन

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

अक्टूबर माह को दुनियाभर में स्तन कैंसर जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। यह कैंसर के सबसे प्रचलित रूपों में से एक है जिसके परिणामस्वरूप स्तन के भीतर गांठ का निर्माण होता है जो कि जीवन के लिए खतरा साबित हो सकता है, यदि इसका जल्द पता नहीं लगाया गया। खुद से जल्द पहचान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए, भारत में सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने, मध्य प्रदेश राज्य के धार जिले में आशा वर्कर्स और सुपरवाइजर्स को एक जीवन रक्षक कौशल के बारे में शिक्षित करने के लिए, एक स्तन कैंसर जागरूकता वर्कशॉप का आयोजन किया।

धार जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से 25-40 वर्ष के आयु वर्ग के लगभग 80 आशा वर्कर्स और सुपरवाइजर्स ने वर्कशॉप में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने एक गांठ का जल्द पता लगाने के लिए, जीवन रक्षक कौशल के बारे में जानकारी प्राप्त की। आशा सुपरवाइजर्स से, आशा कार्यकर्ताओं और छोटे जिलों के आसपास के लोगों के लिए एक संरक्षक, मार्गदर्शक और परामर्शदाता होने की उम्मीद की जाती है। ये प्रशिक्षित महिला सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता होती हैं जो समुदाय और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के बीच, एक इंटरफेस के रूप में काम करती हैं। इस वर्कशॉप के अंतर्गत स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. मोनिका चौहान ने आशा वर्कर्स और सुपरवाइजर्स को स्तन कैंसर की मूल बातें, मन और शरीर पर इसके प्रभाव, आर्थिक रूप से सुरक्षित होने के महत्व और 'थैंक्स ए डॉट' किट पर एक ट्यूटोरियल समझाया।

हाल ही में लोकसभा में उपलब्ध स्तन कैंसर के मामलों के आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश में स्तन कैंसर के मामले पिछले पांच वर्षों से लगातार बढ़ रहे हैं। राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र द्वारा तैयार राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम की रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य ने 2020 में स्तन कैंसर के 11,501 मामले दर्ज किए, जबकि स्तन कैंसर से मृत्यु दर 4,278 थी। पिछले दो वर्षों में भी इस संख्या का ग्राफ ऊपर बढ़ते हुए देखा गया है। यह तथ्य अपने आप में एक अलार्म बजाता है और इशारा करता है कि हमें नियमित रूप से सेल्फ-ब्रेस्ट एग्जामिनेशन को अपनाने के बारे में आत्म-जागरूक होने की आवश्यकता है।

शीतकालीन सत्र में घरेलू मार्गों पर हर सप्ताह 21,941 उड़ानें संचालित करेंगी विमानन कंपनियां

नयी दिल्ली। एजेंसी

अनुसूचित विमानन कंपनियां 30 अक्टूबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र में घरेलू मार्गों पर हर सप्ताह 21,941 उड़ानें संचालित करेंगी। साप्ताहिक उड़ानों की यह संख्या पिछले शीतकालीन सत्र में संचालित प्रति सप्ताह 22,287 उड़ानों की तुलना में 1.55 प्रतिशत कम हैं। शीतकालीन कार्यक्रम 30 अक्टूबर 2022 से 25 मार्च 2023 तक प्रभावी रहेगा। नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में कहा, ''आगामी शीतकालीन सत्र 2022 में 105 हवाई अड्डों से प्रति सप्ताह 21,941 प्रस्थान को मंजूरी दी गई है।'' इन 105 हवाई अड्डों में देवघर, शिमला और राउरकेला शामिल हैं। ये नये हवाई अड्डे हैं।'' कुल 21,941 उड़ानों में इंडिगो की 10,085 और स्पाइसजेट की 3,193 उड़ानें हैं। इसके अलावा एयर इंडिया की 1990, विस्तार की 1941, एयर एशिया की 1462, गो एयर की 1390, एलायंस एयर की 1034, आकाश एयर की 479, फ्लाई बिग की 214 और स्टार एयर की 153 उड़ानें हैं।

सरकार ने उपग्रह संचार सेवाओं को आसान बनाने के लिए नए नीतिगत सुधार पेश किए

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने उपग्रह संचार सेवाओं के लिए बुधवार को नए नीतिगत सुधारों की घोषणा की। इसका उद्देश्य देश और विशेषकर दूरदराज के इलाकों में सैटकॉम की शुरूआत में तेजी लाने के लिए प्रक्रियाओं को आसान और मंजूरी को सरल बनाना है। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उद्योग को तेजी से 5जी को शुरू करने के लिए टावरों की तैनाती बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि टावर लगाने की मौजूदा गति को 2,500 टावर प्रति सप्ताह से बढ़ाकर 10,000 टावर प्रति सप्ताह करने की जरूरत है। वैष्णव ने कहा कि सरकार ने सुधारों में अपना योगदान दिया है और अब यह उद्योग पर निर्भर है कि वह अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करें।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।